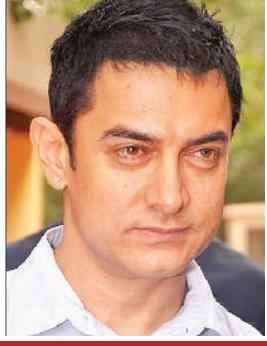




दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471



अमन लेखनी

मुंबई के पांश इलाके में

सुहाना खान रुमर्ड.....

वर्ष : 10

अंक : 200

लखनऊ, 30 जून, रविवार 2024

पृष्ठ : 08

मूल्य : 2.00 रुपए

यूपी में हाईस्कूल और इंटर के टॉपर्स के नाम पर होंगी सड़कें : सीएम योगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावियों को सम्मानित करने के दौरान बेटियों की सफलता को रेखांकित कर अभिभावकों को बड़ा सदैश भी दिया। कहा, हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की मेरिट में जगह बनाने वाले कुल 170 मेंशवियों में 58 छात्र और 112 छात्राएँ हैं। यह सफलता बताती है कि बेटियों ने लंबे लालंग मरीं और उन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावक बेटों का ज्यादा ध्यान देते हैं। बेटा-बेटी में कभी फर्क न करें और दोनों का समान रूप से आगे बढ़ाएं। योगी ने 170 मेधावियों को प्रमाणपत्र, मेडल, टैबलेट व एक लाख रुपये का चेक-एक लाख रुपये का एक दाना कर सम्मानित किया। योगी ने एक शिक्षक की तरह मेधावियों को बोला-बोला करती है कि आप सही राह पर चल रहे हैं।

सम्पादकीय

अबकी बार लोकसभा में बिरला की कठिन परीक्षा आ

म बिरला अध्यक्षमित से 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए।

विषयक ने कोडिक्नील सुन्न को अपना उम्मीदवार जरूर खड़ा किया था, पर बाटिंग के लिए जोर नहीं दिया। यह विषयक का प्रतीकामक तरीका रहा। बिरला की यह दूसरी पारी है। मोदी सरकार 2.0 के समय भी वर्ष 2019 से वर्ष 2024 तक ओम बिरला ही लोकसभा अध्यक्ष रहे। वर्ष 2014 में जब केंद्र में पहली बार मोदी की सरकार बनी थी, तो सुमित्रा महाजन लोकसभा अध्यक्ष बनी थी। पहली बार है जब भाजपा नीति राजग सरकार में कोई नेता लोकसभा दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बना है। इस बार लोकसभा का नजारा बदला हुआ है। भाजपा अपने पद पर बहुत में नहीं है, इस बार लोकसभा अध्यक्ष के रूप में इंडिया ब्लॉक के मजबूत है, इसलिए लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर नियमित सदन में औम बिरला की कार्यकुशलता की असली परीक्षा होगी। सत्ता पक्ष पर सदन में विषयक की आवाज दबाने के आरोप लगते रहे हैं। ओम बिरला के पहले कार्यकाल में राहुल गांधी को जल्दवाजी में अयोग्य ठहराया गया था, हालांकि सुमीत्रा कोर्ट के आदेश के बाद राहुल की संसदीय पिरियां फैली हैं। इस बार लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर काम करने के आरोप कहा जाता है। जबकि लोकसभा अध्यक्ष का पद और कार्यकाल दबाना राजनीति से ऊपर होता है। 18वीं लोकसभा में 99 सीटों के साथ सबसे बड़ा विषयकी दल को ग्रांडर बोर्ड, सो कांग्रेस के खाते में नियमित सदन में नेता विषयक का पद है। कांग्रेस ने राहुल गांधी को नेता विषयक बनाया है, राहुल को इंडिया ब्लॉक के सहयोगी दलों का सम्पादन भी प्राप्त है, हालांकि ममता बनर्जी की पार्टी टीप्पमास के सुन तल्ख हैं, पर विरोध में नहीं है। वर्ष 2014 व वर्ष 2019 में कांग्रेस के पास इतनी सीटों नहीं थीं कि वह नेता प्रतिपक्ष की पारत्रा को पूरा कर पाती, इसलिए दोनों ही कार्यकाल में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली ही रहा। भारतीय लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष को बहुत अधिक स्वैच्छिक अधिकार प्राप्त है, इसलिए अब राजन के लिए कोई भी फैसला लेना आसान नहीं होगा, ऐसे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की कांग्रेस के खाते में अधिक स्वैच्छिकता का प्रचय देना होगा, विषयकी संसदीय के प्रति नरम रूप रखना होगा। लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्हें असल तक पीएम नन्द मोदी, विषयक के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू लेकर गए। विषयक को बढ़ाव देते हुए जहां पीएम ने कहा कि आपका अनुभव सदन का सुचारू चलाने में काम आएगा, वहीं विषयक के नेता राहुल गांधी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उम्मीद है कि विषयक की आवाज सुनी जाएगी। अखिलेश यदव समेत विषयक के नेताओं ने यह भी उम्मीद जताई कि उन्हें सदन में जाना की आवाज उन्होंने को पर्याप्त समय मिलेगा, संसदीय के निष्कासन जैसी कार्यवाही नहीं देखने को मिलेगा। हालांकि पहले ही दिन सदन में आपकांतकाल पर नियोजन के दौरान विषयक के नेता विषयक का हांगामा देखने को मिला। सदन में कांग्रेस के नियादन में औम बिरला को अपने अनुभव के आधार कार्यकृतालय दिखानी होगी, लोकसभा की हांगामा संस्कृति में बदलाव लाना होगा, पर की गरिमा का पालन करना होगा और निष्कासन का नियोजन एक बार मानदंड स्थापित करना होगा। अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला को दलगत सीमा से ऊपर उत्तर हुए ऐसी नीजी पेश करनी होगी कि लोकसभा के इतिहास में उनका मुकाम निष्कासन व नियोजन अध्यक्ष के रूप में कायम हो।

ब्रिटेन आम चुनाव

विवेक शुक्ला

सुनक के भविष्य को लेकर सवाल

या ब्रिटेन में आगामी 4 जुलाई को होने वाले आम चुनावों के बाद भी देश के पहले हिन्दू प्रधानमंत्री श्रीषि सुनक अपने पद पर बने रहेंगे? क्या सुनक की कंजरेटिव पार्टी को ब्रिटेन में बसे हुए भारतवंशी वोटों द्वारा को भी मिलेंगे?

ब्रिटेन के बारे में ये सवाल हमल्पत्त्व है। ब्रिटेन के 2021 की जनगणना, वहां लगभग 15 लाख भारतीय मूल के लोग हैं, ये देश की कुल जनसंख्या का 2.5 प्रतिशत है। ब्रिटेन में भारतीय सबसे बड़ा प्रवासी समूह है। हिन्दुजा, लक्ष्मी मित्तल, स्वराज पाल जैसे भारतवंशी ब्रिटेन के सबसे धनी लोगों की सूची में जगह पाते हैं। संदेश टाइप्स की बीती में जारी ब्रिटेन के सबसे बड़े धनकुर्बरों की सूची में श्रीषि सुनक और उनकी पर्दी अक्षता मूर्ति का 245वां स्थान है। अक्षता इंफोर्मेसिस टेक्नोलॉजीज के फाउंडर चेयरमैन एन.आर. नारायणमूर्ति की पुरी है। दरअसल ब्रिटेन में बसे भारतीयों का लोक समय तक ब्रुकर पार्टी के साथ रहा है। लालिया सर्वेक्षणों से पुख्ता संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय दक्षिणपंथ के कंजरेटिव पार्टी की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन में जानकार बसा था। एक राय यह ही है कि नरेंद्र मोदी को 2014 में भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद ब्रिटेन में बसे हुए भारतीयों की तरफ ज्ञानवाचक बढ़ा है। उनकी विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है। उन्होंने विषयक के नेता विषयक के नेताओं को भी मिलाया है।

सुनक का परिवार 1960 के दशक में केन्या से

अमन लेखनी

बहराइच

संक्षेप

संचारी रोग नियंत्रण के लिए सभी का सहयोग
जरूरी: डॉ अर्चित

अमन लेखनी समाचार

व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मना द्वानवीर भामाशाह जन्मदिवस व्यापारियों एवं करदाताओं का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच, बहराइच। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अधियान को सफल बनाने के लिए शनिवार को ब्लॉक स्टरीय सभी नेंडल अधिकारों का अभिभुक्तीकरण सामुदायिक स्वास्थ्य के बदला सभागार में अधीक्षक डॉ अर्चित श्रीवास्तव को अध्यक्षता में बैठक आहुति हुई। इस मौके पर डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अधियान को सफल बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है। स्कूली बच्चों को माध्यम से लोगों को जागाकर करने के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

संचारी रोग से निपटने के लिए अधिभावकों एवं स्कूली बच्चों को भी जागाकर करने चिकित्सकों की टीम ने शिक्षकों को जुलाई में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अधियान को लेकर जागरूक किया। नियंत्रकों वैज्ञानिक मिश्रा, शरदवेंद्र मिश्रा, हारिमन आर्य सहित सेक्षुली शिक्षक उपस्थिति रहे।



इन्स्टर्स समिट निवेशकों एवं व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को पुष्टगुच्छ, अंगवक्त्र व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित भी किया गया। मुख्य अधिकारी वैज्ञानिक एवं कृतत्व पर अपने संबोधन में व्यापारियों, टैक्स अधिकारीओं, अधिकारियों व अन्य मौजूद लोगों के ध्यानावाद देते हुए कहा कि व्यापारिगण व्यापार करने के साथ सरकार को टैक्स के रूप में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। उपायुक्त उद्योग केंद्र केशव वर्मा, उपायुक्त व्यापार करने के गौतम व योगेश द्विवेदी, सीटीओ श्रीत राय, व्यापार मण्डल जिलाध्यक्ष गोरीशंकर भानीरामका व अन्य प्रमुख लोगों के साथ दीप प्रज्ञानकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

समाप्त होने से व्यापारी श्रीष्ठी कुमार साहू व बकातउल्लाख को शील्ड व प्रसिद्ध-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। व्यापारिगण व्यापार करने के साथ सरकार को टैक्स के रूप में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। इसलिए

वीर भामाशाह की तरह आप सब मण्डल के पदाधिकारियों को पुष्टगुच्छ, अंगवक्त्र व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित भी किया गया। मुख्य अधिकारी वैज्ञानिक एवं कृतत्व पर अपने संबोधन में व्यापारियों, टैक्स अधिकारीओं, अधिकारियों व अन्य मौजूद लोगों के ध्यानावाद देते हुए कहा कि व्यापारिगण व्यापार करने के साथ सरकार को 5 लाख से बढ़कर 10 लाख कर दिया गया है। उपायुक्त उद्योग

केशव राम ने बताया कि बहराइच के निवेशक बधाई के पत्र हैं। व्योर्क एप्लीकेशन में जिले को उत्तर प्रदेश में 9वां स्थान प्राप्त हुआ है। भामाशाह एवं व्यापार मण्डल जिलाध्यक्ष गोरीशंकर भानीरामका सहित जिले के विभिन्न व्यापार प्रकार के पदाधिकारी, सदस्य टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, सचिव अजय श्रीवास्तव एवं सदस्य एवं व्यापारिगण उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में भिड़े दो पक्ष

○ जमकर घले लात्खूसे और लाटी डड़े, ग्राम प्रधान और राजवर्टीमी भी थी-गौन्दू

अमन लेखनी समाचार



मारपीट हुई। सांगापुर गांव के रहने वाले शिवम वर्मा पुत्र पराज बहादुर वर्मा और शिव शंकर पुत्र राम किंशु के बीच पुराना जमीनी विवाद चल रहा था।

अयोध्या, अयोध्या कोतवाली में जमीनी विवाद में दो पक्ष आमने-सामने हो गए, जिसके बाद लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के दौरान राजवर्टीमी और ग्राम प्रधान को पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

देखते ही देखते विवाद इनावड़ देखते ही देखते ही कि महिला सिपाही ने उसके साथ मारपीट की। वीच सड़क उसे पकड़ते हुए बोला-मुझसे शादी कर लो, बसना अंजम बुरा होगा। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में आरोपी सिपाही ने उसके साथ काम करने वाले सिपाही ने उसके साथ मारपीट की। वीच सड़क बैठते को प्रयास करता है। इस दौरान लोगों की भी भीड़ लगती जाती है। महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन बैठते को प्रयास करता है। इस दौरान लोगों की भीड़ लगती जाती है। महिला सिपाही ने अपरोप लगाए हैं। महिला सिपाही के तौतीले में तैनात सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए बोला-मुझसे शादी कर लो, बसना अंजम बुरा होगा। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में आरोपी सिपाही ने उसके साथ काम करने वाले सिपाही ने उसके साथ मारपीट की। वीच सड़क उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इसके बाद महिला सिपाही ने अपने दोनों पक्षों में जमकर लात्खूसे और लाटी-डड़े चलने लगे। मारपीट का वीडियो 26 जून की देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जून को दोनों पक्ष उसी विवादित जमीन पर मौजूद थे, जहां जमीन नापने को लेकर विवाद हो गया।

प्रयास करता है। साथ ही शादी के लिए दवाव बनाने और मारपीट को इसके बारे में उसके पास पहुंच जाता है। वीडियो में पांच मिनट तक सिपाही उस महिला सिपाही को बाइक पर जबरन उसे पकड़ते हुए कहा है। इ

